भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3637** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/ 30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है

गंगा नदी में जलमार्ग

† 3637. श्री वीरेन्द्र सिंह :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के चंदौली/ वाराणसी जिले के मिल्कीपुर में गंगा नदी में जल परिवहन हेतु बनाए जा रहे पत्तन पर अब तक कितनी निधि व्यय की गई है;

(ख) उक्त पत्तन के संदर्भ में प्राप्त की गई सफलता कितने प्रतिशत है;

(ग) वाराणसी और कोलकाता के बीच कितने पत्तन बनाए जा रहे हैं और वर्तमान में इस मार्ग पर कितने जहाज चल रहे हैं;

(घ) क्या सरकार का इस पत्तन को किसी निजी कंपनी को सौंपने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो सरकार का इस पत्तन को किस प्रकार चलाने का विचार है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के अंतर्गत वाराणसी में मल्टीमॉडल टर्मिनल (एमएमटी) के निर्माण पर अब तक 182.33 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

(ख): एमएमटी, वाराणसी का निर्माण 1.26 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष कार्गो हैंडलिंग क्षमता के साथ किया गया है और यह चालू है।

(ग): जल मार्ग विकास परियोजना के तहत वाराणसी से हल्दिया के बीच वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया में तीन मल्टी मॉडल टर्मिनलों और कालूघाट में एक इंटरमॉडल टर्मिनल (आईएमटी) का निर्माण

गया है। इसके अलावा, वाराणसी और कोलकाता के बीच 49 सामुदायिक जेट्टियों का निर्माण किया गया है। दो इंटरमॉडल टर्मिनल यानी एक पटना में और दूसरा कोलकाता में पहले ही बनाए जा चुके हैं और चालू हैं। इस मार्ग पर 87 (कार्गो/क्रूज) जलयान चल रहे हैं।

(घ) और (ङ): आईडब्ल्यूएआई ने एमएमटी हल्दिया, कोलकाता में गार्डन रीच जेटी और कालूघाट में आईएमटी के प्रचालन और रखरखाव (ओएंडएम) के लिए पहले ही सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) रियायतप्राप्तकर्ता को नियुक्त कर लिया है। इसके अलावा, पत्तन-आधारित संपर्कता के सुदृढ़ीकरण करने और अंतर्देशीय एवं तटीय शिपिंग के साथ पत्तनों के एकीकरण के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग - 1 पर टर्मिनलों के प्रचालन और रखरखाव के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन प्राधिकरण, कोलकाता से संपर्क किया गया है।

*****